Qksu ua0 % 05723&233349

ohjkaxuk vcUrhckbZ jktdh; egkfo|ky;

vrjkSyh] vyhx<+ ¼m0iz0½

¼Mk0 Hkhejko vEcsMdj fo"ofo|ky;] vkxjk ls lEc)½

Website : www.gdcatrauli.com

E-mail : vagovtdcollege@rediffmail.com

la0 % 51@2020&21 fnukad % **26-06-2020**

fjiksVZ % ßHkkjrh; bfrgklß fo'k; ij us"kuy oschukj ¼ fn0 25-06-2020½

वीरांगना अवन्तीबाई राजकीय महाविधालय अतरौली में राष्ट्रीय उच्चतर संस्थान (रूसा) के तहत स्थापित 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' बिषय पर पाच दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। 'देखो अपना देश' थीम के अन्तर्गत भारतीय कला,संस्कृति,हस्तशिल्प,प्रादेशिक व्यंजन उप बिषय थे। वेविनार के पहले दिन की मुख्य संरक्षक उच्च शिक्षा निदेशक डा.बन्दना शर्मा थी। वेबिनार की शुरूआत महाविधालय की हिन्दी विभागाध्यक्ष डा.कल्पना वार्ष्णेय द्वारा प्रस्तुत सरस्वती बन्दना से हुयी।मुख्य अतिथि महाराजा बीर विक्रम सिंह विश्वविधालय त्रिपुरा के कुलपति प्रोफेसर सत्यदेव पोद्दार थे।प्रोफेसर पोद्दार ने बिबिधता में एकता भारत की बिशेषता पर प्रकाश डालते हुये बताया कि भारत की संस्कृति इतनी व्यापक और गहन है कि भारत विश्व पटल पर आज भी श्रेष्ठ है।कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि उच्च शिक्षा निदेशालय प्रयागराज के सहायक निदेशक डा.बी.एल शर्मा ने बताया कि वर्तमान समय मे आज का विधार्थी और शिक्षक प्रगति की ओर उन्मुख है बह क्लास से इण्टरनेट का उपयोग कर आनलाइन कक्षाये ले रहा है।कायर्क्रम के मुख्य वक्ता इन्टीट्यूट आफ टूरिज्म एवं होटल मैनेजमेन्ट आगरा विश्वविधालय आगरा के निदेशक डा.लवकुश मिश्रा ने भारतीय पर्यटन को भारतीय कला,संस्कृति,हस्तशिल्प और इतिहास का सम्पूर्ण पैकेज बताते हुये कहा कि भारतीय संस्कृति का विपणन मे महत्वपूर्ण स्थान है।अध्यक्षीय भाषण मे मेरठ विश्वविधालय के डा.लाॅरी आजाद ने भारतीय सभ्यता की प्रमुख विचारधारा 'बसुदैव कुटुम्बकम' और 'जियो और जीने दो'को परिभाषित किया तथा भारत के विभिन्न प्रान्तों के प्रमुख व्यंजन और हस्तशिल्प की विश्व मे अर्जित ख्याति का वर्णन किया। वेबिनार मे महाराष्ट्र, तमिलनाडु, राजस्थान,मध्यप्रदेश,त्रिपुरा और हरियाणा के लगभग 200 प्रतिभागी शामिल हुये।वेबिनार का संचालन डा.संजीव कुमार वार्ष्णेय ने किया। इस अवसर पर एक भारत श्रेष्ठ भारत क्लब के नोडल अधिकारी डा.कुलेश कुमार एवं प्राचार्या डा.माजदा खान का विशेष सहयोग रहा।डा.राजीव कुमार उपाध्याय ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।इस अवसर पर राजकीय स्ना.महाविधालय की प्राचार्या डा.श्री मती शशी कपूर, राजकीय महाविधालय गोण्डा के प्राचार्य डा..जी.एस.मोदी.डा.आइ.पी.सिंह शाक्य,डा.यू.सी.शर्मा.डा.अनूप कुमार,डा.कल्पना वार्ष्णेय,डा.सुरेश कुमार ,डा.के.के.वर्मा,श्री अभय यादव आदि उपस्थित थे।